myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

हिन्दी पाठ्यक्रम – 'ए'
(कोड सं. – 002)
कक्षा – 10

संकलित परीक्षा 1 (एस 1) हेतु भार विभाजन (**अप्रैल-सितम्बर**)		कुल भार %
विषयवस्तु	**अंक**	
अपठित बोध	20	20%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा (**एफ–1 व एफ 2**)		20%
कुल भार		40%

संकलित परीक्षा 2 (एस 2) हेतु भार विभाजन (**अक्टूबर– मार्च**)		कुल भार %
विषयवस्तु	**अंक**	
अपठित बोध	20	40%
व्याकरण	20	
पाठ्यपुस्तक व पूरकपाठ्यपुस्तक	30	
लेखन	10	
फॉरमैटिव परीक्षा (**एफ–3 व एफ 4**)		20%
कुल भार		60%

टिप्पणीः

1. **संकलित परीक्षाओं का कुल भार 60 प्रतिशत तथा फॉरमैटिव परीक्षाओं का कुल भार 40 प्रतिशत होगा। फॉरमैटिव परीक्षाओं के 40 प्रतिशत में से प्रत्येक सत्र में 5 प्रतिशत भाग(संपूर्ण वर्ष में 10 प्रतिशत) श्रवण व वाचन कौशलों के परीक्षण हेतु आरक्षित होगा। शेष 30 प्रतिशत फॉरमैटिव मूल्यांकन, पाठ्यचर्या के अन्य अंगों जैसे पठन, लेखन, व्याकरण, पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक, पर आधारित होगा** । इसमें बोलने, सुनने, लिखने व बोध पर आधारित मौखिक, लिखित अथवा कार्यकलापों पर आधारित परीक्षण किया जा सकता है।

2. **संकलित परीक्षा एक (एस-1) 80 अंकों की होगी।** 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 20 अंकों में से परिवर्तित कर लिया जाएगा तदुपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा तथा **संकलित परीक्षा दो (एस-2) 80 अंकों की होगी व** 80 अंकों को मूल्यांकन के पश्चात 40 अंकों में से परिवर्तित करने के उपरांत ग्रेड का निर्धारण किया जाएगा।

संकलित परीक्षाओं हेतु विभाजन

खण्ड	**विभाग**	**अंक**	**कुल अंक**
क.	1. अपठित गद्यांश–बोध	5x2=10	20
	2. अपठित पद्यांश–बोध	5x2=10	
ख.	व्याकरण	5x4=20	20
ग.	पाठ्यपुस्तक – क्षितिज भाग–1	25	30
	पूरकपाठ्यपुस्तक – कृतिका भाग–1	05	
घ.	लेखन	10	10

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित परीक्षाओं हेतु परीक्षा विनिर्देशन 2010-2011

खण्ड - क - अपठित गद्यांश बोध 20

दो अपठित गद्यांश (100 से 150 शब्दों के)

दो अपठित काव्यांश (100 से 150 शब्दों के)

उपर्युक्त गद्यांश व पद्यांश पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **बहुविकल्पी** प्रकार के **चार** प्रश्न पूछे जाएँगे प्रत्येक प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा ।

खण्ड-ख : व्यावहारिक व्याकरण

प्रश्न संख्या 5-9 20

व्याकरण के लिए निर्धारित विषयों पर विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर **पाँच** प्रश्न पूछे जाएँगें प्रत्येक प्रश्न के **चार बहुविकल्पी** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा।

खण्ड-ग : पाठ्यपुस्तक व पूरक पाठ्यपुस्तक क्षितिज भाग–2 व कृतिका भाग–2

प्रश्न संख्या 10-14 30

प्रश्न संख्या 10

क्षितिज से निर्धारित पाठों में से कोई एक गद्यांश दिया जाएगा **(विकल्प सहित)** तथा इस पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, भाषिक बिंदु/संरचना आदि पर बहुविकल्पी प्रकार का **एक प्रश्न** पूछा जाएगा तथा इस प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे तथा प्रत्येक भाग का **एक अंक** होगा । (5X1)

प्रश्न संख्या 11

इस प्रश्न के **पाँच** भाग होंगे। प्रत्येक भाग **लघुउत्तरीय** प्रकार का होगा तथा प्रत्येक **भाग दो अंक** का होगा। सभी प्रश्न क्षितिज से निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर होंगे तथा यह छात्रों की उच्च चिंतन व मनन क्षमताओं का आकलन करने हेतु पूछे जाएँगे। इन प्रश्नों का कुल भार **दस अंक** होगा। (5**X**2)

प्रश्न संख्या 12

क्षितिज से निर्धारित कविताओं में से **कोई एक** काव्यांश दिया जाएगा **(विकल्प सहित)** तथा इस पर **पाँच अति लघुउत्तरीय** प्रश्न अथवा **तीन लघुउत्तरीय** प्रश्न पूछे जाएँगे । इन प्रश्नों का कुल भार **पाँच अंक** होगा यह छात्रों की काव्य के बोध व उनकी काव्य पर स्वयं की सोच की परख करने हेतु पूछे जाएँगे । (5)

प्रश्न संख्या 13

इस प्रश्न के **दो या तीन** भाग होंगे। क्षितिज से निर्धारित कविताओं के आधार पर लघुउत्तरीय/ अतिलघुउत्तरीय **दो अथवा तीन** प्रश्न पूछे जाएँगे प्रश्नों का आधार छात्रों का काव्य बोध परखने पर होगा । इस प्रश्न के कुल अंक **पाँच** होंगे। (5)

प्रश्न संख्या 14

कृतिका से निर्धारित पाठों पर शीर्षक का चुनाव, विषय-वस्तु का बोध, पर **पाँच** अंक का **दो में से एक** निबंधात्मक प्रश्न पूछा जाएगा जो छात्रों का सामाजिक जीवन से जुडी जीवंत समस्याओं के प्रति उनके दृष्टिकोण व उच्च स्तरीय विचार कौशलों के परीक्षण हेतु बनाए जाएँगे। (5)

खण्ड-घ : लेखन

प्रश्न संख्या 15-16 **(10)**

प्रश्न संख्या 15

समसामयिक विषयों पर **दो में से एक** निबन्ध **(5 अंक)** पूछा जाएगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाएगा। (5)

प्रश्न संख्या 16

वास्तविक जीवन से संबंधित विषयों पर **दो में से एक** पत्र **(5 अंक)** का पूछा जाएगा। इसमें विचारों की प्रभावशाली अभिव्यक्ति, भाषा की सफाई आदि पर अंक निर्धारण किया जाएगा। (5)

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

कक्षा दसवीं हिन्दी 'अ'- संकलित एवं फॉरमैटिव परीक्षाओं हेतु पाठ्यक्रम का विभाजन

क्रम० स०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
	क्षितिज भाग-2 गद्य खण्ड	**FA 1 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
10	स्वयं प्रकाश- नेताजी का चश्मा	✓		✓			
11	रामवृक्ष बेनीपुरी- बालगोबिन भगत	✓		✓			
12	यशपाल-लखनवी अंदाज		✓	✓			
13	सर्वेश्वर दयाल सक्सेना-मानवीय करूणा की दिव्य चमक				✓		✓
14	मन्नू भंडारी-एक कहानी यह भी				✓		✓
15	महावीर प्रसाद द्विवेदी-स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन				✓		✓
16	यतींद्र मिश्र-नौबत खाने में इबादत					✓	✓
17	भदंत आनंद कौसल्यायन- संस्कृति					✓	✓
	काव्य खंड	**FA 1 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
1	सूरदास-ऊधौ, तुम हौ अति बड़भागी....	✓		✓			
2	तुलसी दास- राम-लक्ष्मण- परशुराम संवाद				✓		✓

3	देव-पाँयनि नुपुर मंजू बजै...	✓		✓			
4	जयशंकर प्रसाद -आत्मकथ्य		✓	✓			
5	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'-उत्साह अट नहीं रही है		✓	✓			
6	नागार्जुन-यह दंतुरित मुसकान, फसल				✓		✓
7	गिरिजा कुमार माथुर- छाया मत छूना मन				✓		✓
8	ऋतु राज - कन्यादान					✓	✓
9	मंगलेश डबराल- संगतकार					✓	✓
	कृतिका	**FA 1 10**	**FA2 10**	**SA I 20**	**FA3 10**	**FA4 10**	**SA II 40**
1	शिवपूजन सहाय- माता का आँचल	✓		✓			
2	कमलेश्वर-जॉर्ज पंचम की नाक		✓	✓			
3	साना-साना हाथ जोड़ि- मधु कांकरिया				✓		✓
4	एही ढैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा - शिव प्रसाद मिश्र 'रुद्र'					✓	✓
5	मैं क्यों लिखता हूँ-अज्ञेय					✓	✓

myCBSEguide.com
A Complete guide for CBSE students

क्रम० स०	पाठ्य पुस्तक	प्रथम सत्र (अप्रैल से सितम्बर)			द्वितीय सत्र (अक्तूबर से मार्च)		
	व्याकरण	FA 1 10	FA2 10	SA I 20	FA3 10	FA4 10	SA II 40
1	क्रिया-भेद, अकर्मक/सकर्मक, मुख्य क्रिया, सहायक क्रिया, संयुक्त क्रिया	✓		✓			
2	विशेषण और क्रिया विशेषण		✓	✓			
3	पद-परिचय				✓		✓
4	वाक्य भेद: रचना के अनुसार, रचनान्तरण				✓		✓
6	वाच्य परिवर्तन					✓	✓
7	अलंकार : अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, तथा मानवीकरण					✓	✓

पुस्तकें

1. पाठ्य पुस्तक क्षितिज भाग-2
2. पूरक पुस्तक कृतिका-भाग-2

टिप्पणी:

1. *फॉरमैटिव मूल्यांकन का अभिप्राय अधिगम के मूल्यांकन से है। इसलिए विद्यालय उपर्युक्त विभाजन का अपनी सुविध ानुसार उपयोग कर सकते हैं।*
2. *फॉरमैटिव मूल्यांकन से संबधित सभी कार्यकलाप जैसे विभिन्न प्रकार के शैक्षिक खेल, पहेली, प्रतियोगिता, परियोजना (Project), भूमिका निर्वहन (Roleplay), कहानी लेखन, नाट्य रचनांतरण (Dramatisation), आदि **कक्षा में** अथवा **विद्यालय में** करवाये जाने वाले कार्यकलाप हैं। यदि कोई ऐसा कार्यकलाप है जिसमें विद्यालय से बाहर जाकर कार्य करने की आवश्यकता पड़ती है तो ऐसी स्थिति में यह कार्य शिक्षक के पर्यवेक्षण व मार्गदर्शन में होने चाहिए।*